Three Month Certificate Course in Vastu
Course Code-CCV 101 Basic Vastu
Paper-I

उद्देश्य

- छात्र वास्तु के शास्त्रीय एवं कलात्मक स्वरूप को जान सकेंगे।
- छात्र वास्तुज्ञान के आधारपर भूखण्डों की श्रेष्ठता की पहचान कर सकेंगे।
- छात्र गृहाराम्भ गृह प्रवेश आदि के लिए उचितकाल का निर्धारण कर सकेंगे।

ईकाई–I वास्तुविज्ञान की पृष्ठभूमि

- वास्तु की परिभाषा एवं प्रकार
- वास्तुशास्त्र की आचार्य परम्परा एवं ग्रन्थ परम्परा
- वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास
- वास्तुशास्त्र एवं स्थापत्य

ईकाई–II वास्तुशास्त्र में भूमि विचार

- भूपरिग्रह (ग्रामवास, दिग्दशा, प्रशस्त भूमि)
- दिक्शोधन की विधियाँ
- शल्यज्ञान एव अंहिबलचक्र
- भूखण्डों की स्थितियाँ

ईकाई–III भवनवास्तु के सिद्धान्त

- आयज्ञान एवं पिण्डसाधन
- षोडश गृह एवं प्रस्तार
- गृहोपकरण (भित्ति, काष्ठ, वृक्ष, चित्र, इत्यादि)
- इष्टिकानयन एवंआधारशिलास्थापन

ईकाई–IV गृहारम्भ एवं गृह प्रवेश

- गृहारम्भ मुहूर्त्त ज्ञान
- गृहारम्भ–निषिद्ध एवं प्रशस्तकाल
- गृहारम्भ–भूमिशयन एवं गुरु शुक्रास्त
- गृह प्रवेश मुहूर्त्त ज्ञान एवं लग्न शुद्धि

सन्दर्भग्रन्थः

- वास्तुमंजरी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- वास्तुरत्नावली, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- वास्तुरत्नाकर, खेमराज कृष्णदास, मुम्बई
- वास्तुमाणिक्य रत्नाकर, प्र. ठाकुरदास एंड संस, वाराणसी।

Three Month Certificate Course in Vastu
Course Code–CCV 102
Energetic Study in Vastu
Paper-II

उद्देश्य

- छात्र वास्तुऊर्जा के प्रभावों को जानने के सक्षम हो सकेंगे।
- छात्र वास्तुदोष का परिज्ञान एवं परीक्षण कर सकेंगे।
- छात्र वास्तु दोष का यथापेक्ष उपचार करने में सफल हो सकेंगे।

ईकाई–I वास्तु एवं अन्य विज्ञान

- वास्तु ऊर्जा–स्वरूप एवं प्रकृति (सकारात्मक एवं नकारात्मक ऊर्जा)
- ऊर्जा विज्ञान एवं निर्माण कार्य
- वास्तुऊर्जा के प्रभाव एवं परिमाण
- वास्तुमेंसौरऊर्जा का प्रभाव

ईकाई–II वास्तु एवं पर्यावरण

- वास्तु में पर्यावरण का महत्त्व
- पर्यावरणीय अपेक्षायें
- पर्यावरणीय उपादान–भूजल, वायु, वृक्ष आदि
- वास्तु हेतु वाँछनीय पर्यावरण

ईकाई–III उपचारात्मक वास्तु

- उपचारात्मकवास्तु–परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र
- उपचारात्मकवास्तु का क्रियान्वयन
- आन्तरिक वास्तु दोष एवं उपचार

- बाह्य वास्तुदोष एवं उपचार

ईकाई–IV वास्तु शास्त्र एवं वास्तु कला

- कलात्मक वास्तु
- वास्तुकला एवं स्थापत्य
- आधुनिक वास्तु शास्त्र
- वास्तु के अन्य स्वरूप (वाणिज्यवास्तु, प्रासादवास्तु, दुर्गवास्तु)

सन्दर्भ ग्रन्थः

- आधुनिक वास्तु शास्त्र– डॉ. बलराम श्रीवास्तव, रंजनप्रकाशन, नईदिल्ली।
- वास्तु दोष–एक अनुशीलन–जी.एस.पाण्डे, साहित्य प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
- वास्तु विज्ञानम्–आचार्य उमेश शास्त्री, व्यास बालावक्ष शोध संस्थान, जयपुर।